



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)  
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 263] नई दिल्ली, बुधवार, जून 22, 1994/आषाढ़ 1, 1916  
No. 263] NEW DELHI, WEDNESDAY, JUNE 22, 1994/ASADHA 1, 1916

वित्त मंत्रालय  
( राजस्व विभाग )

अधिसूचना

नई दिल्ली, 22 जून, 1994

सं० 133/94-सीमाशुल्क

सा.का.नि. 526(अ).—केन्द्रीय सरकार, सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है, इस अधिसूचना के उपाबंध 1 में विनिर्दिष्ट माल को (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त माल कहा गया है) जब उसका किसी निर्यात प्रसंस्करण जोन या इस अधिसूचना के उपाबंध 2 में विनिर्दिष्ट मुक्त व्यापार जोन (जिसे इसमें इसके पश्चात् जोन कहा गया है) के भीतर एकको द्वारा —

(क) भारत के बाहर निर्यात के लिए वस्तुओं का उत्पादन या विनिर्माण करने के लिए, या

(ख) भारत के बाहर निर्यात के लिए वस्तुओं के उत्पादन विनिर्माण या पैकेजिंग के संबंध में उपयोग करने के लिए, या

(ग) भारत के बाहर निर्यात के लिए आशयित वस्तुओं के प्रसंस्करण या उसके संबंध में प्रचालन (जिसके अंतर्गत मरम्मत, युग्मनकूलन और पुनः इंजीनियरी भी है) के लिए, या

(घ) ऐसे निर्यात संप्रवर्तन करने के लिए, भारत में आयात किया जाए, सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (1975 का 51) (जिसे इसमें इसके पश्चात् सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम कहा गया है) की पहली अनुसूची के अधीन उन पर उद्ग्रहणीय समस्त सीमाशुल्क और सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, की धारा 3 के अधीन उन पर उद्ग्रहणीय अतिरिक्त शुल्क से, यदि कोई हो, निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए छूट देती है, अर्थात् :—

(1) आयातकर्ता को खंड (क) से खंड (घ) में विनिर्दिष्ट प्रयोजनों के लिए जोन में एकक स्थापित करने के लिए प्राधिकृत किया गया है।

(2) आयातकर्ता को उक्त माल का आयात करने के लिए आवश्यक अनुज्ञप्ति अनुदान की गई है।

(3) आयातकर्ता ऐसे प्ररूप में और ऐसी राशि के लिए जो सीमाशुल्क सहायक कलक्टर विहित करे :—

(i) उक्त माल का जोन अपने एकक में लाने और उनका खंड (क) से खंड (4) में विनिदिष्ट प्रयोजनों के लिए जोन के भीतर उपयोग करने, —

(ii) उक्त माल का या जोन में अपने एकक में उत्पादित विनिर्मित, प्रसंस्कृत और पैक की गई वस्तुओं का या ऐसे उत्पादन, विनिर्माण, प्रसंस्करण या पैकेजिंग से उत्पन्न होने वाले अपशिष्ट, स्क्रेप और अवशिष्ट का, ऐसी रीति से जो निर्यात आयात नीति और इस अधिसूचना में विहित की जाए, व्ययन करने के लिए स्वयं को आबद्ध करते हुए एक बंधपत्र निष्पादित करता है।

(4) आयातकर्ता उक्त माल के आयात, उपभोग और उपयोग का और उसके द्वारा किए गए निर्यात का समुचित लेखा रखेगा और ऐसा लेखा कालिकोतः जोन के विकास आयुक्त को ऐसे प्ररूप में और ऐसी रीति से, जो विकास आयुक्त द्वारा अधिकाधिकृत की जाए, प्रस्तुत करेगा।

(5) आयातकर्ता, जोन के विकास आयुक्त का यह समाधान करता है कि इस प्रकार आयात किए माल का खंड (क) से खंड (घ) में विनिदिष्ट प्रयोजनों के लिए या निर्यात-आयात नीति और इस अधिसूचना में विनिदिष्ट किन्हीं अन्य प्रयोजनों के लिए उपयोग किया गया है।

(6) सीमाशुल्क सहायक कलक्टर, ऐसी शर्तों और परि-सीमाओं के अधीन रहते हुए जो उसके द्वारा अधिरोपित की जाएं और निर्यात-आयात नीति के उपबंधों के अधीन रहते हुए —

(i) किसी एकक को उक्त माल का पुनः निर्यात करने की अनुज्ञा दे सकेगा;

(ii) उक्त माल या एकक में विनिदिष्ट, उत्पादित, प्रसंस्कृत या पैक किए गए माल के शुल्क का संदाय किए बिना अस्थायी रूप से मरम्मत, प्रसंस्करण, परीक्षण या प्रदर्शन के लिए जोन के बाहर ले जाने और उसके पश्चात् एकक में वापस लाने की अनुज्ञा दे सकेगा;

(iii) उक्त माल या विनिर्मित उत्पादित, प्रसंस्कृत या पैक किए गए माल का, उस जोन के किसी एकक से उसी जोन के किसी अन्य एकक या किसी अन्य जोन के किसी एकक या किसी शत-प्रतिशत निर्यातानुमुख उपक्रम को प्रदाय/अंतरण करने की अनुज्ञा दे सकेगा :

परन्तु खंड (iii) ऐसे माल को लागू नहीं होगा जिनका मरम्मत, पुनर्निकूलन या पुनः इंजीनियरी के लिए आयात

किया गया है और जिनकी इस प्रकार मरम्मत, पुनर्निकूलन या पुनः इंजीनियरी की गई है।

(7) सीमाशुल्क सहायक कलक्टर के समाधान के अधीन रहते हुए,

(i) कर्मचारों को प्रशिक्षण देने के लिए उपयोग में लाए गए उक्त माल,

(ii) उक्त माल या एकक में विनिर्मित, उत्पादित प्रसंस्कृत या पैक किए गए माल, यदि ऐसे माल को जोन के भीतर नष्ट कर दिया जाता है,

(iii) ऐसे उत्पादन, विनिर्माण प्रसंस्करण या पैकेजिंग के अनुक्रम में उत्पन्न होने वाले स्क्रेप या अपशिष्ट पदार्थ या अवशिष्ट, यदि ऐसे स्क्रेप या अपशिष्ट पदार्थ या अवशिष्ट को जोन के भीतर नष्ट कर दिया जाता है,

की बाबत शुल्क उद्ग्रहणीय नहीं होगा।

स्पष्टीकरण :—इस अधिसूचना के प्रयोजनों के लिए निर्यात-आयात नीति से वाणिज्य मंत्रालय की लोक सूचना सं०-1 आई टी सी (पी एन)/92--97 तारीख 31 मार्च, 1992 के अधीन प्रकाशित समय-समय पर यथासंशोधित निर्यात और आयात नीति, अप्रैल, 1992 मार्च, 1997 अभिप्रेत है।

2. पैरा 1 में किसी बात के होते हुए भी, कंप्यूटर प्रक्रिया सामग्री के विकास में लगे एककों की दशा में इसमें अंतर्विष्ट छूट ऐसे माल को भी लागू होगी जिसका ऐसे एककों द्वारा प्रशिक्षण के लिए और निर्यात के लिए प्रक्रिया सामग्री के विकास और परीक्षण के लिए और विदेश में "स्थल पर" प्रक्रिया सामग्री के विकास के लिए परामर्शी सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए आयात किया जाता है :

परन्तु यह तब जब कि —

(क) ऐसे प्रक्रिया-सामग्री विकास एकक द्वारा इस अधिसूचना में अनुबंधित शर्तों का पालन किया जाता है; और

(ख) सीमाशुल्क सहायक कलक्टर द्वारा विनिदिष्ट प्रक्रिया का अनुसरण किया जाता है।

स्पष्टीकरण :—प्रक्रिया सामग्री विकास एककों द्वारा विदेश में "स्थल पर" प्रक्रिया सामग्री के विकास के लिए परामर्शी सेवाओं के लिए संपरिवर्तनीय विदेशी करेंसी में प्राप्त परामर्शी फीस, इस अधिसूचना के अधीन निर्यात बाध्यता की पूर्ति करने के प्रयोजनों के लिए निर्यात समझी जाएगी।

3. इस अधिसूचना में किसी बात के होते हुए भी, इसमें अंतर्विष्ट छूट उक्त माल को भी लागू होगी जिनका भारत में आयात किए जाने पर, जोन के एकक में वस्तुओं के उत्पादन, विनिर्माण, प्रसंस्करण या पैकेजिंग के प्रयोजनों के लिए उपयोग किया जाता है और ऐसी वस्तुओं (जिनके अंतर्गत ऐसी वस्तुओं के उत्पादन, विनिर्माण, प्रसंस्करण या पैकेजिंग के दौरान होने वाली प्रतिक्षेपित अवशिष्ट और स्क्रेप सामग्री भी हैं) को, यद्यपि

उनका भारत से बाहर निर्यात नहीं किया जाता है, आयात-निर्यात नीति के अधीन और उसके अनुसार तथा ऐसी अन्य परि-सीमाओं और शर्तों के अधीन रहते हुए जो जोन के विकास आयुक्त द्वारा इस निमित्त विनिर्दिष्ट की जाए, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 3 के अधीन उन पर उद्ग्रहणीय उत्पाद शुल्क का संदाय किए जाने पर या जहाँ ऐसी वस्तुएं (जिनके अंतर्गत प्रतिक्षेपित, अपशिष्ट और स्क्रेप सामग्री भी है) उत्पाद शुल्क नहीं है, वहाँ ऐसी वस्तुओं के उत्पादन, विनिर्माण, प्रसंस्करण और पैकेजिंग के प्रयोजन के लिए उपभोग किए गए उक्त माल पर सीमाशुल्क का, ऐसी वस्तुओं पर, मानो उनका उस रूप में आयात किया गया हो, उद्ग्रहणीय सीमाशुल्क के बराबर रकम में संदाय किए जाने पर, जोन के बाहर निकासी किए जाने के लिए अनुज्ञात किया जाता है :

परन्तु ऐसा माल जिसकी मरम्मत, पुनरनुकूलन या पुनः इंजीनियरी की गई है, जोन के बाहर निकासी किए जाने के लिए अनुज्ञात नहीं किया जाएगा ।

4. इस अधिसूचना में किन्हीं अन्य उपबन्धों पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना, जहाँ सीमाशुल्क सहायक कलक्टर के सहा-धानप्रद रूप में यह दर्शित किया जाता है कि जोन के विकास आयुक्त द्वारा जोन में किसी एकक को, उक्त माल की जोन के बाहर भारत में किसी अन्य स्थान को ले जाने के लिए निर्यात आयात नीति के अनुसार निकासी करने के लिए अनुज्ञात किया गया है, वहाँ —

(क) पूंजीमाल, सामग्री उठाई-धराई उपस्कर, कार्यालय उपस्कर और बद्ध विद्युत संयंत्र की ऐसी निकासी, ऐसे माल पर उद्ग्रहणीय सीमा-शुल्क के बराबर रकम का उनके अवक्षिप्त मूल्य पर और ऐसे शुल्क के संदाय की तारीख को प्रवृत्त दर से संदाय किए जाने पर अनुज्ञात की जा सकेगी;

(ख) खंड (क) में विनिर्दिष्ट माल से भिन्न माल (जिनके अंतर्गत बार-बार उपयोग के लिए उपयुक्त खाली कोन, फिरकियां या आधान भी है) की ऐसी निकासी, आयात के समय उसके मूल्य पर और ऐसे सीमाशुल्क के संदाय की तारीख प्रवृत्त दरों से सीमाशुल्क का संदाय किए जाने पर अनुज्ञात की जा सकेगी;

(ग) उपयोग की गई पैकिंग सामग्री, जैसे कि बार-बार उपयोग के लिए अनुपयुक्त किस्म के कार्ड बोर्ड नक्शे पालिथलिन थैलों की ऐसी निकासी सीमाशुल्क का संदाय किए बिना अनुज्ञात की जा सकेगी :

परन्तु आयातकर्ता सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, की पहली अनुसूची के शीर्ष 98.01 के अंतर्गत जाने वाले माल को लागू छूट का, या निविष्ट/परिभाषित संवर्धन पूंजी माल स्कीम या निर्यात-आयात नीति के अधीन विरचित या जारी की गई किन्हीं अन्य निर्यात संवर्धन स्कीमों के अधीन आयातित माल को लागू छूट प्राप्त करने का पात्र नहीं होगा ।

स्पष्टीकरण :— खंड (क) के अंतर्गत जाने वाले माल की वास्तव अवक्षयण, एकक के वाणिज्यिक उत्पादन के प्रारंभ की तारीख से या जहाँ ऐसे माल का आयात, ऐसे प्रारंभ के पश्चात् किया गया है वहाँ उस तारीख से, जब ऐसे माल को वाणिज्यिक उत्पादन के लिए उपयोग में लाया गया हो, शुल्क के संदाय की तारीख तक की अवधि के लिए अनुज्ञात किया जाएगा ।

5. (1) उपाबंध 3 में विनिर्दिष्ट भारत सरकार के वित्त मंत्रालय की अधिसूचना का विखंडन किया जाता है ।

(2) ऐसे विखंडन के होते हुए इस प्रकार विखंडित अधिसूचनाओं के अधीन की गई कोई बात या की गई कार्यवाही, अधिसूचना के तत्स्थानी उपबन्धों के अधीन की गई समझी जाएगी ।

उपाबंध-1

क्रम सं.	माल का वर्णन
1	2
1.	पूँजी माल और उनके अतिरिक्त पूँजे
2.	सामग्री उठाई-धराई के लिए उपस्कर, अर्थात् फोर्क लिफ्ट शिरोपसिक्रेन, चल क्रेन, फ़ाउलर क्रेन, उत्तोलक और स्टैकर और उनके अतिरिक्त पूँजे
3.	बद्ध विद्युत संयंत्र, जिसके अंतर्गत बद्ध उत्पादन सेट और उनके अतिरिक्त पूँजे, ईंधन, स्नेहक और ऐसे संयंत्रों और सेटों के लिए ऐसी अन्य खपने योग्य सामग्री जिनकी अनुमोदन बोर्ड द्वारा सिफारिश की गई है
4.	कार्यालय उपस्कर, अतिरिक्त पूँजे और उसकी ऐसी खपने वाली सामग्री जिसकी अनुमोदन बोर्ड द्वारा सिफारिश की गई है
5.	कच्ची सामग्री
6.	संघटक
7.	खपने वाली सामग्री
8.	पैकेजिंग सामग्री
9.	औजार, जिग, गेज, फिक्मचर, मार्च, डाई, उपकरण और उपसाधन तथा उनके अतिरिक्त पूँजे
10.	विकास और विविधता के लिए आदिप्ररूप, तकनीकी और व्यापार नमूने ।
11.	रेखाचित्र, ब्लू प्रिंट और चार्ट
12.	मरम्मत या पुनरनुकूलन के लिए निर्यात की तारीख से तीन वर्ष के भीतर पुनः आयातित माल
13.	विदेशी क्रेता के परिधान लेने में असफल होने के कारण जोन से निर्यात की तारीख से एक वर्ष के भीतर पुनः आयातित माल ।

1

2

14. आयात की तारीख से तीन वर्ष के भीतर मरम्मत, पुनरनुकूलन या पुनः इंजीनियरी के लिए आयातित माल और उसका निर्यात।

उपाबंध-2

जोन का नाम

1. सान्ताक्रूज इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात प्रसंस्करण जोन
2. कांझला मुक्त व्यापार जोन
3. फालटा निर्यात प्रसंस्करण जोन
4. मद्रास निर्यात प्रसंस्करण जोन
5. नोएडा निर्यात प्रसंस्करण जोन
6. कोचीन निर्यात प्रसंस्करण जोन
7. विशाखापत्तनम् निर्यात प्रसंस्करण जोन

टिप्पणी :— जोन में सर्वेक्षण संख्यांक वाले स्थान समाविष्ट होंगे और अधिकारिता वाले सीमाशुल्क कलक्टर द्वारा इस निमित्त जारी की गई किसी लोक/व्यापार सूचना में विनिर्दिष्ट सीमाओं से घिरे होंगे।

उपाबंध-3

1. अधिसूचना सं. 227/79-सीमाशुल्क, तारीख 30 नवम्बर, 1979
2. अधिसूचना सं. 77/80-सीमाशुल्क, तारीख 17 अप्रैल, 1980
3. अधिसूचना सं. 262/85-सीमाशुल्क, तारीख 16 अगस्त, 1985
4. अधिसूचना सं. 263/85-सीमाशुल्क, तारीख 16 अगस्त, 1985
5. अधिसूचना सं. 339/85-सीमाशुल्क, तारीख 25 नवम्बर, 1985
6. अधिसूचना सं. 340/86-सीमाशुल्क, तारीख 13 जून, 1986
7. अधिसूचना सं. 170/93-सीमाशुल्क, तारीख 13 सितम्बर, 1993

[फा. सं. 305/10/94-एफ टी टी]

ए.एस. बेदी, अवर सचिव

## MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

## NOTIFICATION

New Delhi, the 22nd June, 1994

NO. 133/94-CUSTOMS

G.S.R. 526(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts goods specified in the Annexure I of this notification (hereinafter referred to as the said goods), when imported into India—

- (a) for the production or manufacture of articles for export out of India, or
- (b) for being used in connection with the production, manufacture or packaging of articles for export out of India, or
- (c) for carrying out processing of, or operations (including repairs, re-conditioning and re-engineering) in relation to, the articles intended for export out of India, or
- (d) for promotion of such export, by units within an Export Processing Zone or a Free Trade Zone specified in Annexure II to this notification (hereinafter referred to as the Zone) from the whole of the duty of customs leviable thereon under the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975) (hereinafter referred to as the Customs Tariff Act) and the additional duty, if any, leviable thereon, under section 3 of the Customs Tariff Act subject to the following conditions, namely:—

- (1) The importer has been authorised to establish the unit in the Zone for the purposes specified in clauses (a) to (d).
- (2) The importer has been granted the necessary licence for the import of the said goods.
- (3) The importer executes a bond in such form and for such sum as may be prescribed by the Assistant Collector of Customs binding himself—
  - (i) to bring the said goods into his unit in the Zone and use them within the Zone for the purposes specified in clauses (a) to (d).
  - (ii) to dispose of the said goods or the articles produced, manufactured, processed and packaged in his unit in the Zone or the waste, scrap and remnants, arising out of such production manufacture, processing or packaging in the manner as may be prescribed in the Export Import Policy and in this notification.
- (4) The importer shall maintain a proper account of import, consumption and utilisation of the said goods and of exports made by him, and shall submit such account periodically to the Development Commissioner of the Zone, in such form and in such manner as may be laid down by the Development Commissioner.
- (5) The importer satisfies the Development Commissioner of the Zone that the goods so imported have been used for the purposes specified in clauses (a) to (d) or for any other purposes specified in Export-Import Policy and in this Notification.
- (6) The Assistant Collector of Customs, may subject to such conditions and limitation as may be imposed by him and subject to the provisions of the Export-Import Policy—
  - (i) allow a unit to re-export the said goods;
  - (ii) permit the said goods or goods manufactured, produced, processed or packaged in the unit to be taken outside the Zone temporarily without payment of duty for repairs, processing, testing or display and to be returned to the unit thereafter a



- (iii) permit the said goods or goods manufactured, produced, processed or packaged, to be supplied/ transferred from a unit in the Zone to another unit in the same Zone or to a unit in another Zone or to a hundred per cent export oriented undertaking;

Provided that clause (iii) shall not apply to goods imported for repairs, reconditioning or re-engineering and which have been so repaired, reconditioned or re-engineered.

- (7) Subject to the satisfaction of the Assistant Collector of Customs, duty shall not be leviable in respect of—

- (i) the said goods used for imparting training to workers.
- (ii) the said goods or goods manufactured, produced, processed or packaged in the unit, if such goods are destroyed within the Zone.
- (iii) the scrap or waste material or remnants arising in the course of such production, manufacture, processing or packaging, if such scrap or waste material or remnants are destroyed within the Zone.

Explanation.—For the purposes of this notification, 'Export-Import Policy' means the Export and Import Policy, April, 1992—March, 1997, published under the Ministry of Commerce Public Notice No. 1-ITC(PN)/92-97, dated the 31st March, 1992, as amended from time to time.

2. Notwithstanding anything contained in paragraph 1 in the case of units engaged in the development of computer software, the exemption contained therein shall also apply to goods imported by such units for training, for development and testing of software for export and for providing consultancy services for development of software 'on site' abroad :

Provided that—

- (a) the conditions stipulated in this notification are complied with by such software development unit; and
- (b) the procedure specified by the Assistant Collector of Customs is followed.

Explanation.—The consultancy fees received by software development units in convertible foreign currency for consultancy service for development of software 'on site' abroad shall be deemed to be exports for the purposes of fulfilment of export obligation under this notification.

3. Notwithstanding anything contained in this notification the exemption contained herein shall also apply to the said goods which on importation into India are used for the purposes of production, manufacture, processing or Packaging of articles in a unit in the Zone and such articles (including rejects, waste and scrap material arising in the course of production, manufacture, processing or packaging of such articles) even if not exported of India, are allowed to be cleared outside the Zone under and in accordance with the 1481 GI/94—2.

Export-Import Policy and subject to such other limitations and conditions as may be specified in this behalf by the Development Commissioner of the Zone, on payment of duty of excise leviable thereon under section 3 of the Central Excises & Salt Act, 1944 (1 of 1944) or where such articles (including rejects, waste and scrap material) are not excisable, on payment of customs duty on the said goods used for the purpose of production, manufacture, processing or packaging of such articles in an amount equal to the customs duty leviable on such articles as if imported as such.

Provided that goods which have been repaired, reconditioned or re-engineered shall not be allowed to be cleared outside the Zone.

4. Without prejudice to any other provisions contained in this notification, where it is shown to the satisfaction of the Assistant Collector of Customs that any unit in the Zone has been permitted to clear any of the said goods for being taken outside the Zone, to any other place in India by the Development Commissioner of the Zone in accordance with the export-Import Policy.

- (a) such clearance of capital goods, material handling equipment, office equipment and captive power plants, may be allowed on payment of an amount equal to the customs duty leviable on such goods on the depreciated value thereof and at the rate in force on the date of payment of such duty;
- (b) such clearance of goods (including empty cones, bobbins, containers, suitable for repeated use) other than those specified in clause (a) may be allowed on payment of customs duty on the value at the time of import and at rates in force on the date of payment of such customs duty;
- (c) such clearance of used packing materials such as cardboard boxes polythene bags a kind unsuitable for repeated use, may be allowed without payment of any customs duty.

Provided that the importer shall not be eligible to avail of the exemption applicable to goods falling under heading 98.01 of the First Schedule to the Customs Tariff Act, or the exemption available to the goods imported under the Export Promotion Capital Goods Scheme referred/defined or any other Export Promotion Schemes that may be framed or issued under the Export Import Policy.

Explanation.—The depreciation in respect of goods covered by clause (a) shall be allowed for the period from the date of commencement of commercial production of the unit or where such goods have been imported after such commencement from the date such goods have come into use for commercial production to the date of payment of duty.

5 (1) The notifications of the Government of India in the Ministry of Finance specified in Annexure III, are hereby rescinded.

(2) Notwithstanding such rescission, anything done or action taken under the notifications so rescinded shall be deemed to have been done or taken under the corresponding provisions of the notification.

## ANNEXURE—I

Sl. No.	Description of Goods
1.	Capital goods and spares thereof.
2.	Material handling equipments, namely, fork lifts, over-head cranes, mobile cranes, crawler cranes, hoists and stackers & spares thereof.
3.	Captive power plants, including captive generating sets and their spares, fuel, lubricants and other consumables for such plants and sets as recommended by the Board of Approval.
4.	Office equipments, spares and consumables thereof as recommended by the Board of Approval.
5.	Raw materials.
6.	Components.
7.	Consumables.
8.	Packaging materials.
9.	Tools, jigs, gauges, fixtures, moulds, dies instruments and accessories and spares thereof.
10.	Prototype, technical and trade samples for development and diversification
11.	Drawings, blue prints and charts.
12.	Goods reimported within three years of the date of exportation for repairs or reconditioning.
13.	Goods re-imported within one year from the date of exportation from the Zone due to the failure of the foreign buyer to take delivery.
14.	Goods imported for repairs, re-conditioning or re-engineering and export thereof within three years of the date of importation.

## ANNEXURE—II

1. Santa Cruz Electronics Export Processing Zone.
2. Kundla Free Trade Zone.
3. Falto Export Processing Zone.
4. Madras Export Processing Zone.
5. Noida Export Processing Zone.
6. Cochin Export Processing Zone.
7. Vishakapatnam Export Processing Zone.

Note : The Zone shall comprise of places bearing survey numbers and enclosed by boundaries as may be specified by the jurisdictional Collector of Customs in a Public/Trade Notice, issued in this behalf.

## ANNEXURE- III

1. Notification No. 227/79-Customs, dated the 30th November, 1979.
2. Notification No. 77/80-Customs, dated the 17th April, 1980.
3. Notification No. 262/85-Customs, dated the 16th August, 1985.
4. Notification No. 263/85-Customs, dated the 16th August, 1985.
5. Notification No. 339/85-Customs, dated the 25th November, 1985.
6. Notification No. 340/80-Customs, dated the 13th June, 1986.
7. Notification No. 170/93-Customs, dated the 13th September, 1993.

[F. No. 3/5/10/94-FTT]

ANIL SINGH BEDI, Under Secy.